CLASS-7 मौर्य वंश के बाद (Post Mauryan Dynasties)

सार → मौर्य वंश के बाद जो छोटे छोटे वंश आये थे उनके बाद भारत में कुछ विदेशी आक्रमण हुए इनका अध्ययन करेंगे

→ मौर्य वंश के बाद 3 या 4 छोटी-छोटी Dynastics आयी थी।

→ मौर्य वंश का अंतिम शासक बृहद्रथ था।

→ इस बृहद्रथ को मारा था इसके प्रमुख कमाण्डर (commander in chief) पुष्यमित्र शुंग ने।

→ अब इस पुष्यमित्र शुंग ने शुंग वंश की स्थापना की।

* शुंग वंश (Sunga Dynasty) * [185 BC - 73 BC]

→ संस्थापक ⟶ पुष्यमित्र शुंग

→ राजधानी ⟶ विदिशा (जो वर्तमान में M.P में पड़ती है)

→ अनुसरण धर्म ⟶ हिन्दू धर्म (Hinduism) को follow करते थे।

अशोक ने बौद्ध धर्म को अपनाया और धम्म की Policy को दूर-दूर तक पहुँचाया अपने Rock और Pillars Edict से

→ बौद्ध धर्म को भी संरक्षण (Patronized) देते थे लेकिन मानते थे हिंदू धर्म को।

→ बौद्ध धर्म को संरक्षण देते थे इस बात का पता लगा → भरहुत स्तूप से (M.P.) क्योंकि ये पुष्यमित्र शुंग के ही शासनकाल में बना था।

→ पुष्यमित्र शुंग के बेटे ⟶ अग्निमित्र

→ ये अग्निमित्र जो हैं इनका प्रेम प्रसंग चलता है मालविका से और मालविका और अग्निमित्र की प्रेम कथा (love story) कालीदास जी मालविकाग्निमित्रम् में दिखाते हैं।

कालिदास का नाटक (Kalidas's Play)

→ इन्ही के समय में पतंजलि हुए थे।

→ योग दर्शन के संस्थापक

PARMAR SSC

→ पतंजलि ने एक किताब लिखी थी → महाभाष्य
↓
→ इन्होंने दो अश्वमेघ यज्ञ को आयोजित किया था → पुष्यमित्र शुंग के लिए

→ अन्तिम शासक → देवभूति (Devbhuti)

→ जिस प्रकार बृहद्रथ अन्तिम शासक था मौर्य वंश का तो उसके कमाण्डर चीफ ने उसको मारा और शुंग वंश की स्थापना की (पुष्यमित्र शुंग)

→ इसी प्रकार देवभूति का जो कमाण्डर इन-चीफ जोकि (वासुदेव) था इसने देवभूति को मारा और कण्व वंश (kanva Dynasty) की स्थापना की।

(Not Imp) * कण्व वंश (Kanva Dynasty) * [73BC – 28BC]

(याद की जरूरत नहीं)

→ राजधानी :- पाटलिपुत्र

→ इसके बाद आता है → सातवाहन वंश

Imp. * सातवाहन वंश (Satvahana Dynasty) * [60BC से 225 AD तक]

Que) क्या कण्व वंश और सातवाहन वंश parallely शासन कर रहे थे ?

Ans) कण्व ऊपर था, सातवाहन नीचे थे → जो वर्तमान में महाराष्ट्र वाला क्षेत्र है

→ 16 महाजनपदों में सबसे दक्षिणी (Southern most) था →
बाद में इसी का नाम बन जाता है → पैठान / प्रतिष्ठान → सातवाहन वंश की राजधानी
→ (महाराष्ट्र)

→ यही पैठान / प्रतिष्ठान इनकी राजधानी बनती है।

→ राजधानी :- → पैठान / प्रतिष्ठान (महाराष्ट्र)

→ संस्थापक → सिमुक

→ सबसे महान शासकों में से एक (One of the greatest ruler) → गौतमीपुत्र सतकर्णी

जिन्होंने एक साका शासक 'क्षत्रप नहापना' को हराया था।
→ ये central asia से India में आए थे आक्रमण के समय

→ सतकर्णी थोड़ा सा female type नाम लगता है,

→ ये थे तो Male ruler लेकिन सातवाहन वंश में जो थे वो ब्राह्मण थे।

→ सातवाहन वंश के समय पर जो समाज था ये Patriarchial थी लेकिन

→ Matrilineal (मातृवंशीय) भी थी।

→ इस समय में property मिलने के हिसाब से समाज पितृवंशीय और नाम मिलने के हिसाब से मातृवंशीय था। इसीलिए इन्होंने अपनी माँ का नाम लिया।

→ gmp: ब्राह्मणो और बौद्ध भिक्षुओं को इन्होंने भूमि दान करने की प्रथा शुरु की।

→ gmp: इन्होंने शीशे (लेड) के बने हुए सिक्के चलवाए (शुरु किए)।

→ क्योंकि जो व्यापार करता था वो mostly बौद्ध धर्म या जैन धर्म को follow करता था और इन राजाओं को tax इन्हीं व्यापारियों से मिलता था इसीलिए वो बौद्ध भिक्षुओं को भी land दान करते थे।

→ बहुत सारे चैत्य (Chaitya) और विहार (Vihara) चट्टानो से बनवाए। (Rock cut)

Ex:- नासिक, कन्हेरी, करले → महाराष्ट्र

→ जिस तरीके से चट्टानो में गुफाएं (Rock cut caves) बनायी जाती है उसी तरह चैत्य और विहार बनाए गए

उदा:- लोमस ऋषि cave, नागार्जुनी cave — बिहार

भाषा:- प्राकृत

→ इन लोगो ने स्तूप भी बनवाए। Ex:- अमरावती स्तूप, नागार्जुनकोंडा (आंध्रप्रदेश)

→ अजंता और एलोरा गुफा (caves) इन्हीं के समय पर बनी लेकिन ऐसा नही है कि सिर्फ इन्होंने ही बनवायी सारी की सारी गुफाएं जो उसमे है राष्ट्रकूट वंश ने भी बनवायी थी

→ लेकिन अजंता और एलोरा गुफाओ को बनवाने का काम सबसे पहले शुरु सातवाहन वंश ने ही किया।

पूजा करो तो रहो भी

चैत्य → बुद्धों के पूजा करने का स्थान (Place of worshipping of Buddhas)

बिहार → रहने का स्थान (Place of residence)

→ मौर्यो के बाद mainly 3 वंश आए थे जो हम पढ़ चुके आयी तो और भी थी → ज्यादा gmp. नही exam perspective से

PARMAR SSC

* मध्य भारत से आक्रमण [Invasions From Central India]

PARMAR SSC

- Central Asia (मध्य एशिया) में कई वंश शासन कर रहे थे।
  जैसे :- • स्काइथिया (Scythia) वंश → यही बाद में 'साका' कहलाए।
  • यूऐही (Yuezhi) वंश → ये वास्तव में 'कुषाण' है।
  • पार्थिया (Parthia) वंश
  • यूनानी (Greek)

- विश्व का 8 वां अजूबा बना → कम्बोडिया का "अंकोरवाट मंदिर"
- भारत में सारे आक्रमण "हिन्दुकुश वाले route" से हुए है क्योंकि दूसरे side हिमालय है और नीचे side पानी भरा रहता है इसीलिए वहाँ से नहीं हुए।

- सबसे पहले मध्य एशिया (central asia) से जिस वंश (Dynasty) ने आक्रमण किया वो था → यूनानी वंश (Greeks)

÷ यूनानी वंश (Greek Dynasty) ÷

- पहला हिन्दुकुश के जरिए भारत में आक्रमण → ग्रीक (यूनानियों) द्वारा हुआ।
- भारत (India) में ढल जाने की वजह से इनको 'इण्डोग्रीक' कहने लगे।
- यूनानी लोग उत्तरी अफगानिस्तान में शासन कर रहे थे।
- अफगानिस्तान के दक्षिणी भाग में सेल्युकस निकेटर का जो वंश चल रहा था वो शासन कर रहा था। जिसे सेलुसिस वंश के नाम से जानते है।

- यूनानियों को भारत पर आक्रमण करने के लिए Push किया → Scythians ने (स्काइथियन्स ने)
- सबसे प्रमुख शासक :- → मिलिंद / (Meander)

इनके बारे में जिस text से पता चलता है

↓

मिलिंदपन्हो

मिलिन्द (ग्रीक का ruler) — Question ⟹ Questions of मिलिंद

मिलिंद Question पूँछ रहे है → नागसेन से → बौद्ध भिक्षु

मिलिंद Question पूछ रहे है बौद्द धर्म को लेकर और इतना प्रभावित हुए कि इन्होने अपने आप को बौद्द धर्म में बदल लिया।

यूनानी शासक :-

(1) ये सोने के सिक्के पेश करने वाले पहले व्यक्ति थे।

सबसे पहले सिक्के (Coins) महाजनपद के time पर देखने को मिले थे → मगध में (मौर्य वंश के समयपर)

↓

पंचमार्कड coins — पचांग होती थी मछली, चाँद या अन्य जानवर

↓

सिल्वर के थे

(2) इन्होने सबसे पहले राजा से सम्बन्धित सिक्के (attributed to the king) चलवाए। [सिक्के पर राजा की तस्वीर होती थी]

जिससे हमें ये पता चलता था कि उस time पर किस राजा का शासन रहा होगा।

(3) इन्होने हेलेनिस्टिक कला की शुरुआत की (उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में)

↓ इसको गान्धार कला भी बोलते है।

गान्धार कला

→ जहाँ से आए वहाँ का art + India का आर्ट

* शाका (साका) वंश (Sakas Dynasty) *

ये साम्राज्य (empire) है इसकी 5 शाखाए थी उसमें एक वंश क्षत्रप थी।

- अलेक्जेंडर ने जितना occupy किया था उससे ज्यादा शाका लोगो ने किया।
- शाका को स्काईथियन्स (Scythians) भी बोलते है। ये ज्यादा समय तक शासन करेंगे
- शाकास की total 5 शाखाए थी [जैसे 16 महाजनपद तो 16 शाखाए थी आर्यों की]
- ये 5 शाखाए अफ़गानिस्तान के अलग-अलग हिस्सो मे शासन कर रही थी।
- गुजरात, कन्नड वाले कोस्ट पर एक शाखा थी।

→ शको ने उत्तर पश्चिम और उत्तर भारत पर शासन किया।

→ एक शाखा भारत के पश्चिमी भाग में बसी जिसने 4th (चौथी) शताब्दी (400 ई.) तक शासन किया। लगभग 500 साल तक Rule किया कुछ शाखाओं ने

→ माना जाता है शकों को कोई रोक नहीं पा रहा था सिवाय एक राजा के वो राजा थे ⟶ राजा विक्रमादित्य (परमार)

→ विक्रमादित्य ने शकों को हराया [57 BC में]

→ तो इसी 57 BC से एक नया कैलेण्डर विक्रम संवत शुरु कर दिया।

→ इस संवत (कैलण्डर) को हिन्दू धर्म में follow किया जाता है; लेकिन भारत सरकार शक संवत वाले कैलण्डर को follow करती है।

2023 वर्तमान
+ 57
2080 चल रहा हिन्दू कैलण्डर के हिसाब से

→ विक्रमादित्य को "प्रतिष्ठित उपाधि (Coveted title)" मिली जो ज्यादा ताकतवर शासक होता था वो विक्रमादित्य उपाधि ले लेता था।

→ विक्रमादित्य उज्जैन के राजा था।

→ परमार वंश के पहले शासक ⟶ "विक्रमादित्य परमार"

→ सबसे प्रसिद्ध शक शासक ⟶ 'रुद्रदमन प्रथम' (क्षत्रप वंश से थे)

- इनके बारे में जूनागढ़ रॉक शिलालेख से पता चलती है
- जिसे "गिरनार शिलालेख" के रूप में भी जाना जाता है (गुजरात में है)

→ रुद्रदमन प्रथम ने सुदर्शन झील की मरम्मत (Repair) करवायी।

निर्मित करवाया था → पुष्यगुप्त वैश्य (चंद्रगुप्त मौर्य के time पर थे)

PARMAR SSC

- शको के बाद पार्थियन 'वंश' आए
- तत्पश्चात कुषाण वंश आया।

कुषाण [redacted] साम्राज्य

- कुषाण → (1st पहली शताब्दी ई. से तीसरी शताब्दी ई.)
- कुषाणों को युएझिस / टोचरियन के नाम से भी जाना जाता है।
- राजधानी → पेशावर (पहले) और (बाद में) मथुरा
- वे स्वयं को 'देवताओं का पुत्र / राजाओं का राजा' कहते थे।
- कुषाण साम्राज्य में अलग-अलग वंश आए
- पहला वंश → कडफिसेस
  - I — कुजुल कडफिसेस देखने को मिलते हैं।
  - II — वीमा कडफिसेस देखने को मिलते हैं
- सबसे शक्तिशाली शासक → कनिष्क (78 ई. – 101 ई.)
  - इन्हे द्वितीय अशोक के नाम से भी जाना जाता है।
  - 78 ई. से ही 'शक संवत' शुरु हुआ
  - शक कैलण्डर भारत सरकार द्वारा अपनाया गया
  - चौथी बौद्ध परिषद का संरक्षण कनिष्क ने ही किया था
  - कनिष्क ने महायान बौद्ध धर्म को संरक्षण दिया। और
  - सोने के शुद्धतम रुप वाले सिक्के चलवाए (purest gold coins)
- रेशम मार्ग (silk route) पर नियंत्रण किया कुषाणों ने

PARMAR SSC

* विदेशी आक्रमण का भारतीय समाज मे प्रभाव *

PARMAR SSC

→ जो विदेशी थे वो पूरी तरह स्वदेशी (भारत की) संस्कृति में डूब गए थे यानि अपने आप को ढाल लिया था।

✲ मिटटी के बर्तन :(Pottery) :

→ लाल बर्तन (Red ware)

→ ये लोग भिन्न तरीके से घुडसवार तकनीक, पगडी पहनना, शेरवानी पहनना, सिलवार

✲ राजनीति (Polity) :

→ कुषाणो ने सरकार की क्षत्रप प्रणाली शुरु की।

- सैन्य शासन (Not राजा का बेटा राजा)
- यूनानियो द्वारा रणनीति

✲ संस्कृति (Culture) :

→ वे शिव और भगवान बुद्ध की पूजा करते थे।

✲ साहित्य (Literature) :

→ बुद्धचरित → अश्वघोष (भगवान बुद्ध की पहली जीवनी)

→ महावस्तु और दिव्यादान →

→ कामसूत्र → वात्सयान

✲ विज्ञान (Science) :

→ चिकित्सा पर एक किताब लिखी गयी इस समय → चरकसंहिता

- चिकित्सा के जनक — चरक ने लिखी।
- अलग-अलग जडीबुटियो का जिक्र है

→ सुश्रुत → शल्य चिकित्सा के जनक (Father of Surgery)

PARMAR SSC